जालंधर, सोमवार, 26 जनवरी 2026

वंदे भारत 24

भारत के मन की बात

26 January

@vandebharat24 | vandebharat24 | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

जालंधर में खुलेआम उड़ रही चाइना डोर

सख्ती न होने से बेखौफ पतंगबाज़, ड्रोन व दबिश से ही लगेगी लगाम

» वंदे भारत न्यूज़ । जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर शहर में पतंगबाज़ी का शौक अब लोगों की जान पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। मकर संक्रांति और अन्य मौकों के बाद भी शहर के विभिन्न इलाकों में धड़ल्ले से प्रतिबंधित चाइना डोर का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालात यह हैं कि गलियों, छतों और खुले मैदानों में बच्चे ही नहीं, बल्कि युवा और बड़े भी खुलेआम चाइना डोर से पतंग उड़ाते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई नाकाफी साबित हो रही है, जिसका फायदा उठाकर पतंगबाज़ बेखौफ होकर इस जानलेवी डोर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चाइना डोर पहले ही कई परिवारों के लिए मातम का कारण बन चुकी है। बीते वर्षों में जालंधर समेत पूरे पंजाब में चाइना डोर से गला कटने, बाइक सवारों के गंभीर रूप से घायल होने और यहां तक कि मौत के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद बाजारों में चोरी-छिपे यह डोर बिक रही है और लोग जानबूझकर या अनजाने में इसका उपयोग कर रहे हैं। आम नागरिकों का कहना है कि जब तक सख्त और दिखाई देने वाली कार्रवाई नहीं होगी, तब तक लोग सुधरने वाले नहीं हैं।

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि पुलिस ड्रोन कैमरों के जरिए छतों और खुले इलाकों पर नजर रखे या अचानक दबिश देकर चाइना डोर का इस्तेमाल करने वालों को मौके पर ही पकड़े, तो हालात काफी हद तक काबू में आ सकते हैं। उनका कहना है कि अगर पतंग उड़ाने वाले चाहे बच्चे हों या बड़े, उनके खिलाफ नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए, चालान काटे जाएं और उनके अभिभावकों को भी जवाबदेह बनाया जाए, तो अगली बार कोई भी व्यक्ति चाइना डोर हाथ में लेने से पहले सौ बार सोचेगा।

शहर के कई इलाकों जैसे बस्ती बावा खेल, मॉडल टाउन, आदर्श नगर, भार्गव कैंप, मकसूदां, किशनपुरा और अर्बन एस्टेट में लगातार चाइना डोर से पतंग उड़ाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। खासकर शाम के समय बाइक और स्कूटी सवारों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। कई लोगों ने बताया कि सड़क पर चलते समय अचानक गले या चेहरे के पास डोर आ जाने से गंभीर हादसे होते-होते बचे हैं। कुछ मामलों में लोग स्थायी रूप से घायल भी हो चुके हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि चाइना डोर बेहद खतरनाक होती है क्योंकि इसमें कांच और रसायन मिले होते हैं, जो त्वचा को तुरंत काट देते हैं। कई बार यह डोर इतनी तेज होती है कि हेलमेट पहनने के बावजूद गर्दन और चेहरे पर गहरे जख्म कर देती है। अस्पतालों में हर साल इस मौसम में चाइना डोर से घायल लोगों की संख्या बढ़ जाती है, जो एक गंभीर चेतावनी है।

हालांकि पुलिस प्रशासन की ओर से समय-समय पर चाइना डोर के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही जाती है। कुछ जगहों पर दुकानों से डोर जब्त भी की गई है और कुछ विक्रेताओं के खिलाफ मामले भी दर्ज हुए हैं, लेकिन यह कार्रवाई पूरे शहर के मुकाबले बहुत सीमित मानी जा रही है। लोगों का कहना है कि जब तक पतंग उड़ाने वालों पर सीधे तौर पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक इसका असर जमीन पर नजर नहीं आएगा।

कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का सुझाव है कि पुलिस को ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर छतों पर पतंग उड़ाने वालों की पहचान करनी चाहिए। ड्रोन के जरिए आसानी से यह पता लगाया जा सकता है कि कहां-कहां चाइना डोर का उपयोग हो रहा है। इसके बाद संबंधित थाना पुलिस को मौके पर भेजकर कार्रवाई की जाए। इससे न सिर्फ दोषियों को पकड़ा जा सकेगा, बल्कि एक सख्त संदेश भी जाएगा कि कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

इसके अलावा स्कूलों और मोहल्लों में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि पतंगबाज़ी एक खेल है, लेकिन चाइना डोर इसे जानलेवा बना देती है। अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और उन्हें सुरक्षित धागे का ही इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि किसी बच्चे को चाइना डोर से पतंग उड़ाते पकड़ा जाता है, तो उसके माता-पिता पर भी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। इससे अभिभावक भी सतर्क रहेंगे और बच्चों को ऐसी खतरनाक चीजों से दूर रखेंगे। वहीं युवाओं और वयस्कों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग भी की जा रही है।

शहरवासियों का यह भी कहना है कि केवल त्योहारों के समय ही नहीं, बल्कि पूरे साल चाइना डोर के खिलाफ सख्त निगरानी रखी जानी चाहिए। क्योंकि कई बार त्योहार खत्म होने के बाद भी लोग इसका इस्तेमाल करते रहते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

कुल मिलाकर जालंधर में चाइना डोर की समस्या अब केवल कानून व्यवस्था का नहीं, बल्कि जन सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। यदि पुलिस प्रशासन समय रहते ड्रोन निगरानी, अचानक दबिश, सख्त चालान और जागरूकता अभियान जैसे कदम उठाता है, तो निश्चित रूप से हालात में सुधार आ सकता है।

अन्यथा चाइना डोर की यह लापरवाही किसी भी वक्त एक और मासूम की जान ले सकती है। शहरवासी अब ठोस कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि पतंगबाज़ी का आनंद किसी के लिए मौत का कारण न बने।

प्रतिबंध के बावजूद चाइना डोर का खुला इस्तेमाल गंभीर चेतावनी : कपिल भारद्वाज

समाजसेवी कपिल भारद्वाज ने शहर में चाइना डोर के लगातार बढ़ते चलन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद जिस तरह खुलेआम चाइना डोर का इस्तेमाल हो रहा है, वह प्रशासन और समाज दोनों के लिए गंभीर चेतावनी है। कपिल भारद्वाज ने कहा कि चाइना डोर किसी भी सूरत में एक सामान्य धागा नहीं है, बल्कि यह मौत की डोर बन चुकी है। हर साल इसके कारण कई लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं और कई परिवार अपनों को खो देते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग इसे मनोरंजन का साधन समझकर दूसरों की जान को खतरे में डाल रहे हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

चाइना डोर गैरकानूनी और जानलेवा, इससे दूर रहें : डा. नवनीत कपूर

हकीम तिलक राज कपूर के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. नवनीत कपूर ने चाइना डोर के इस्तेमाल को लेकर खेद प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि चाइना डोर न सिर्फ गैरकानूनी है बल्कि यह आम लोगों, खासकर बच्चों और पशु-पक्षियों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो रही है। डा. नवनीत कपूर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चाइना डोर से हो रही दुर्घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं और समाज को इससे दूर रहना चाहिए। उन्होंने आम जनता से अपील की कि पतंगबाजी के दौरान केवल सुरक्षित और स्वदेशी डोर का ही प्रयोग करें। इस अवसर पर डा. नवनीत कपूर जी ने भी चाइना डोर बेचने और इस्तेमाल करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से भी अपील की कि चाइना डोर पर पूरी तरह रोक सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी तरह की जान-माल की हानि को रोका जा सके।

चाइना डोर बन चुकी है मौत का फंदा : योगराज जलोटा

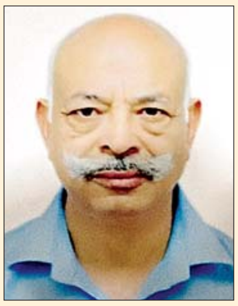

स्पोर्ट्स कारोबारी योगराज जलोटा ने चाइना डोर के बढ़ते चलन पर गहरी चिंता जताते हुए इसे समाज और मानव जीवन के लिए घातक बताया है। उन्होंने कहा कि चाइना डोर केवल एक धागा नहीं, बल्कि मौत का फंदा बन चुकी है, जो हर साल कई बेगुनाह लोगों की जान ले रही है।

देवी योगराज जलोटा ने कहा कि थोड़े से मनोरंजन के लिए किसी की जान जोखिम में डालना अमानवीय है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को चाइना डोर से दूर रखें और केवल सुरक्षित भारतीय धागे का ही इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि समाज की सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

चाइना डोर कानून उल्लंघन ही नहीं, जान से खिलवाड़ : विनय कपूर

एंटी खालिस्तानी फ्रंट के नेता विनय कपूर ने चाइना डोर के बढ़ते इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे समाज के लिए गंभीर खतरा बताया है।

उन्होंने कहा कि चाइना डोर सिर्फ कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि यह सीधे तौर पर लोगों की जान से खिलवाड़ है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

विनय कपूर ने कहा कि हर साल चाइना डोर की वजह से कई निर्दोष लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं और कई परिवार अपने अपनों को खो देते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग केवल मनोरंजन के नाम पर इस घातक डोर का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो बेहद निंदनीय है। उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को चाइना डोर से दूर रखें और सुरक्षित भारतीय धागे का ही उपयोग करें।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR
HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

हिंदू एकता मंच की 44वीं निशुल्क बस यात्रा रवाना, श्रद्धालुओं ने किए माँ चिंतपूर्णी व माँ बगलामुखी के दर्शन

» वंदे भारत 24 न्यूज़ | जालंधर
25 जनवरी (सन्नी सहगल)

हिंदू एकता मंच समिति (रजि.), पंजाब की ओर से श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक स्थलों की निशुल्क बस यात्रा का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में रविवार को समिति द्वारा 44वीं फ्री बस यात्रा माँ चिंतपूर्णी धाम और माँ बगलामुखी धाम के दर्शनों के लिए रवाना की गई। बस यात्रा को पूर्व विधायक एवं जिला प्रधान कांग्रेस शहरी राजिंदर बेरी ने अन्य पदाधिकारियों के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर हिंदू एकता मंच समिति (रजि.) के प्रधान अतुल चड्ढा, काउंसलर पवन कुमार, महासचिव सुमित शर्मा सहित कई पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे। यात्रा से पूर्व शनिवार को समिति के कार्यालय में पंडित अमरीश शास्त्री द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना करवाई गई, जिसमें माँ चिंतपूर्णी जी और माँ बगलामुखी जी का आशीर्वाद लिया गया।

पूजा कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजिंदर बेरी, प्रधान अतुल चड्ढा, काउंसलर पवन कुमार, काउंसलर तरसेम लखोत्रा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता निशांत घई, प्रेम पाल डुमेली, बलबीर कलेर, बावा मरवाहा, करण कुमार, महेश दत्त, हर्ष वर्मा, करण वर्मा सहित कई सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों ने सहभागिता की। प्रधान अतुल चड्ढा ने बताया कि हिंदू एकता मंच समिति द्वारा प्रत्येक माह श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क बस यात्राएं आयोजित की जाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु भविष्य में इन यात्राओं में शामिल होना चाहते हैं, वे महासचिव सुमित शर्मा से संपर्क कर सकते हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रामा मंडी में विशेष लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें चाय, समोसे और गुलाब जामुन की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य के लिए राजू यादव, परमिंदर सिंह संधू और कृपाल सिंह का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में पूर्व विधायक राजिंदर बेरी और प्रधान अतुल चड्ढा ने सभी सहयोगकर्ताओं, समिति सदस्यों और श्रद्धालुओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक और सेवा कार्य समाज में आपसी भाईचारे और आस्था को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर समिति के चेयरमैन रवीश शर्मा (अमेरिका), वाइस चेयरमैन हरप्रीत मोनू बेदी, उप प्रधान नवीन खूगर, सीनियर वाइस चेयरमैन मुकेश खूगर लक्की, गौरव मेहता (अमेरिका), नवु राजपूत, संजू नारंग, निर्मल कुमार निम्मा, दीपक अरोड़ा, अंकुश शर्मा, शुभम शर्मा, करणदीप नागरा (कनाडा) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छैनी से जानलेवा हमला कर मोटरसाइकिल लूटने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

» वंदे भारत 24 न्यूज़ | जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

थाना नंबर-2 की पुलिस ने चिचिक हाउस के नजदीक एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी मोटरसाइकिल लूटने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल और वारदात में इस्तेमाल की गई छैनी भी बरामद कर ली है। इस मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान करमजीत सिंह, आर्यन निवासी भगवानपुर और कुलवंत सिंह निवासी ताजपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों ने इससे पहले और कौन-कौन सी आपराधिक वारदातों को अंजाम दिया है।

यह वारदात शुक्रवार देर शाम आदर्श नगर के साथ लगते चिचिक हाउस के पास हुई। राजिंदर नगर निवासी साहिल किसी काम से क्षेत्र में गया था और रात करीब 8 बजे वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों ने उसे घेर लिया और बिना किसी कहासुनी के उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने साहिल के सिर पर छैनी से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपी उसकी मोटरसाइकिल लूटकर मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने घायल अवस्था में पड़े साहिल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार उसके सिर पर गहरी चोट आई है, हालांकि फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर थाना नंबर-2 की पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भार्गव कैंप में दिनदहाड़े युवक का अपहरण, बेरहमी से पिटाई कर सुनसान इलाके में छोड़ा

» वंदे भारत 24 न्यूज़ | जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर के भार्गव कैंप नगर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक स्थानीय सब्जी विक्रेता युवक को सरेआम कुछ युवकों ने जबरन उठाकर अगवा कर लिया। बताया जा रहा है कि चार से पांच युवक अचानक मौके पर पहुंचे और युवक को डराते-धमकाते हुए बाइक पर बैठाकर घासमंडी की ओर ले गए।

जानकारी के अनुसार अगवा किए गए युवक की पहचान राम कुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि आरोपियों ने सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ मारपीट की और बाद में उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद घायल हालत में युवक किसी तरह परिजनों तक पहुंचा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

प्राथमिक तौर पर सामने आया है कि विवाद की वजह किसी युवती से बातचीत को लेकर शक बताया जा रहा है। पीड़ित राम कुमार का कहना है कि उसे बिना किसी ठोस वजह के केवल अंदाजे के आधार पर निशाना बनाया गया। मारपीट के दौरान उसका मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसको लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके का निरीक्षण किया। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पीड़ित के परिजनों का आरोप है कि राम कुमार पूरी घटना खुलकर बयान नहीं कर पा रहा है और उस पर किसी तरह का मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। उसके शरीर और गले पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई और युवक की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय निवासियों में घटना को लेकर गहरा रोष है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं इलाके की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247

पिम्स के सामने 'फर्जी नाका' बनाकर वसूली का आरोप, वायरल वीडियो के बाद कांस्टेबल लाइन हाज़िर

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर में पिम्स अस्पताल के सामने बनी मार्केट में एक पुलिसकर्मी द्वारा कथित तौर पर अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिसकर्मी ने सिविल कपड़ों में मौजूद दो युवकों के साथ मिलकर फर्जी नाका लगाया और वहां से गुजर रहे युवकों को डराकर पैसे ऐंठने की कोशिश की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग हरकत में आया और संबंधित कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से लाइन हाज़िर कर दिया गया।

मामले को लेकर एसीपी परमिंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पुलिस कर्मचारी मणि कुमार नजर आ रहा था, जो उस समय सिक्योरिटी ड्यूटी पर तैनात था। वीडियो की जांच के बाद विभागीय कार्रवाई करते हुए उसे लाइन हाज़िर कर दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

इस मामले में अर्बन एस्टेट फेज-3 निवासी आकाशदीप सिंह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आकाशदीप के अनुसार वह अपने दोस्त पवनदीप सिंह का जन्मदिन मनाकर चार दोस्तों के साथ दो बाइकों पर सवार होकर रेस्टोरेंट से लौट रहे थे। जैसे ही वे पिम्स अस्पताल के सामने मोड़ पर पहुंचे, वहां एक पुलिसकर्मी सिविल कपड़ों में दो युवकों के साथ खड़ा मिला। आकाशदीप का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने उन्हें रोककर बाइक की पीछे नंबर प्लेट न होने की बात कहकर डराना शुरू कर दिया। जब युवकों ने नाके के बारे में पूछा तो पुलिसकर्मी बार-बार अपनी तैनाती बदलता रहा-कभी थाना नंबर-7, कभी थाना नंबर-6 और फिर खुद को स्पेशल स्टाफ का कर्मचारी बताने लगा। युवकों का कहना है कि पहले उन्हें चालान और थाने ले जाने की धमकी दी गई, लेकिन बाद में मौके पर ही मामला निपटाने का दबाव बनाया गया। इसी दौरान जब आकाशदीप ने मोबाइल से वीडियो बनानी शुरू की, तो पुलिसकर्मी और उसके साथ मौजूद दोनों युवक बिना किसी कार्रवाई के वहां से निकल गए।

घटना के बाद युवक थाना नंबर-7 पहुंचे, जहां वीडियो दिखाने पर पता चला कि संबंधित पुलिसकर्मी वहां तैनात ही नहीं है। बाद में जब उन्होंने दोबारा पिम्स अस्पताल के पास जानकारी ली तो स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त पुलिसकर्मी कथित तौर पर एक शिवसेना नेता का गनमैन है, जो अपने साथियों के साथ मिलकर वहां अक्सर खड़ा रहता था।

आकाशदीप सिंह ने कहा कि वह इस पूरे मामले को लेकर सोमवार को वीडियो सबूत और लिखित शिकायत के साथ विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस कमिश्नर से मिलेंगे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे।

पंजाब में आतंकी साजिश नाकाम, SSOC ने पाक-आधारित नेटवर्क से जुड़े युवक को दबोचा

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

पंजाब में आतंकी गतिविधियों पर शिकंजा कसते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (SSOC) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षा एजेंसियों ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तान में बैठे कुख्यात आतंकी शहजाद भट्टी के सीधे संपर्क में था और उसके लिए भारत में नेटवर्क खड़ा करने का काम कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रमन कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई है, जो जम्मू के गंग्याल क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध हथियार भी बरामद किया गया है। जांच एजेंसियों का मानना है कि आरोपी को भविष्य में किसी बड़ी वारदात के लिए तैयार किया जा रहा था।

स्थानीय विवादों की आड़ में चलता था नेटवर्क : प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रमन कुमार स्थानीय स्तर पर होने वाले विवादों और झगड़ों में सक्रिय भूमिका निभाता था। इसी आड़ में वह युवाओं से संपर्क बनाकर उन्हें कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने और आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा था।

इंस्टाग्राम से शुरू हुआ संपर्क : पूछताछ के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि रमन और आतंकी शहजाद भट्टी के बीच संपर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के जरिए हुआ था। समय के साथ दोनों के बीच भरोसा बढ़ा और पाकिस्तान से उसे हथियार उपलब्ध कराए गए। हालांकि फिलहाल किसी निश्चित लक्ष्य या हमले की जानकारी सामने नहीं आई है।

पहले भी रह चुका है जांच के घेरे में

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है। वह अंबाला में पुलिस थाने पर हुए विस्फोट मामले में भी साजिश का हिस्सा रहा है। हालांकि उसने सीधे तौर पर हमला नहीं किया था, लेकिन आरोप है कि उसने हमलावरों को आर्थिक सहायता मुहैया करवाई थी। इसी केस में वह अंबाला पुलिस की हिरासत में था, जहां से पंजाब पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई और आगे की पूछताछ की।

आतंकी मॉड्यूल को बड़ा झटका : SSOC के वरिष्ठ अधिकारी दीपक पारिख ने बताया कि इस गिरफ्तारी से पाकिस्तान से संचालित आतंकी मॉड्यूल को बड़ा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि एजेंसियां पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही हैं और आने वाले दिनों में इस साजिश से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी संभव है।

जालंधर में प्रीगैबलिन कैप्सूल की अवैध बिक्री पर सख्ती, बिना बिल-रिकॉर्ड खरीद-फरोख्त पर रोक

जालंधर (वर्मा) : नशे के बढ़ते दुरुपयोग को रोकने के लिए जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने कड़ा फैसला लिया है। पुलिस कमिश्नर जालंधर धनप्रीत कौर ने आदेश जारी करते हुए कमिश्नरेट क्षेत्र में प्रीगैबलिन कैप्सूल को लेकर सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। आदेशों के तहत अब बिना लाइसेंस प्रीगैबलिन कैप्सूल रखना, तय मात्रा से अधिक स्टॉक करना, बिना बिल और रिकॉर्ड के इसकी खरीद-फरोख्त करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि हाल के दिनों में प्रीगैबलिन कैप्सूल के गलत इस्तेमाल और अवैध बिक्री के मामले सामने आए हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। इस दवा का प्रयोग केवल चिकित्सकीय सलाह और नियमों के तहत ही किया जा सकता है। किसी भी मेडिकल स्टोर या व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेशों के अनुसार, मेडिकल दुकानों को प्रीगैबलिन कैप्सूल की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। बिना वैध बिल, स्टॉक रजिस्टर और अधिकृत लाइसेंस के दवा बेचने या खरीदने वालों को कानून के दायरे में लाया जाएगा। पुलिस और ड्रग विभाग की टीमें समय-समय पर चेकिंग कर यह सुनिश्चित करेंगी कि आदेशों का सख्ती से पालन हो। यह प्रतिबंध 26 जनवरी 2026 से लागू होकर 25 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा।

पुलिस प्रशासन ने दवा विक्रेताओं और आम लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि से दूर रहें। प्रशासन का मानना है कि इस फैसले से नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगेगी और युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जा सकेगा।

भोगपुर दोहरे मौत मामले में बड़ा खुलासा, जांच में हादसे की कहानी आई सामने, सबूत छुपाने वाला आरोपी गिरफ्तार

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर
25 जनवरी (वर्मा)

भोगपुर के नज़दीक संदिग्ध परिस्थितियों में दो युवकों के शव मिलने के मामले में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। उच्च पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई विस्तृत जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि दोनों युवकों की मौत किसी हमले से नहीं, बल्कि एक सड़क हादसे के बाद हुई थी, जबकि इस हादसे से जुड़े अहम सबूतों को जानबूझकर छिपाने की कोशिश की गई।

इस मामले में मृतक अर्शप्रीत सिंह की माता मनजीत कौर पत्नी मुख्तियार सिंह, निवासी गांव भूंदीयां (थाना भोगपुर) ने पुलिस को बयान दिए थे कि उनका बेटा अर्शप्रीत सिंह और उसका दोस्त गुरपेश उर्फ आर्यन, गांव बहिराम सिरिष्ता के पास सड़क किनारे बेहोशी की हालत में मिले थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। परिजनों ने आशंका जताई थी कि यह मामला सड़क हादसे के साथ-साथ किसी साजिश या हमले का भी हो सकता है।

पुलिस ने परिजनों से जांच के लिए 21 जनवरी तक का समय मांगा था, जिसके चलते दोनों शवों को मोर्चरी में रखा गया। इसके बाद एक एसपी और दो डीएसपी स्तर के अधिकारियों की विशेष टीम ने मामले की जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की टक्कर सड़क किनारे खड़ी एक रेहड़ी से हुई थी। यह रेहड़ी जरनैल सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, निवासी बहिराम सिरिष्ता की बताई गई है। हादसे के बाद आरोपी ने रेहड़ी को अपने गांव से करीब 14 किलोमीटर दूर थाना टांडा के अंतर्गत गांव नंगल फरीद में छुपा दिया और पुलिस को जांच से गुमराह करने के लिए दूसरी रेहड़ी पेश कर दी, जिस पर किसी भी तरह के हादसे के निशान मौजूद नहीं थे। पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर पूरी सच्चाई सामने आई। इसके बाद जरनैल सिंह के खिलाफ सबूत मिटाने, पुलिस को गुमराह करने और अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी का रिमांड भी हासिल कर लिया है ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच की जा सके।

इस बीच हलका विधायक सुखविंदर सिंह कोटली मृतक गुरपेश उर्फ आर्यन के अंतिम संस्कार में उनके पैतृक गांव गेहलड़ां पहुंचे और शोकाकुल परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की।

परिजनों को अब भी हत्या की आशंका

हालांकि पुलिस ने हादसे के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है, लेकिन दोनों मृतकों के परिजनों ने अपने बच्चों की हत्या की आशंका जताते हुए बयान दर्ज कराए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के आरोपों को भी गंभीरता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

खीरांवाली के पास कार में मिला युवक का शव, पुलिस ने शुरू की जांच

कपूरथला, 25 जनवरी (वर्मा) : कपूरथला जिले के गांव खीरांवाली के नजदीक उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे खड़ी एक कार में एक युवक बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने जब युवक को कार के अंदर अचेत देखा तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को 108 एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल कपूरथला पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सोनमप्रीत सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी गांव तलवंडी चौधरियां के रूप में हुई है। पुलिस को मृतक के परिजनों ने बताया कि सोनमप्रीत सिंह की पत्नी का करीब एक वर्ष पूर्व निधन हो गया था, जिसके बाद वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। बताया गया कि वह बीती रात कपूरथला से दवाइयां लेकर अपने गांव वापस लौट रहा था। मामले की जानकारी देते हुए एएसआई अमरजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मामले में धारा 174 के तहत कार्रवाई की गई है और मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला किसी साजिश का प्रतीत नहीं होता, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

एक वोट से हार, इरादों से जीत : वेस्ट इलाके में नशा और चाइना डोर के खिलाफ मैदान में उतरे शिव नाथ शिबू

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर वेस्ट इलाके में पार्षद चुनाव में आज़ाद उम्मीदवार के तौर पर किस्मत आज़माने वाले शिव नाथ शिबू भले ही महज एक वोट से चुनाव हार गए हों, लेकिन उनके हौसले और इरादे अब और ज्यादा मजबूत होकर सामने आए हैं। चुनावी हार के बाद भी शिबू ने इलाके में फैल रहे नशे और जानलेवा चाइना डोर के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े, वे अपने इलाके को नशा मुक्त और सुरक्षित बनाए बिना चैन से नहीं बैठेंगे।

शिव नाथ शिबू, जो कि पूर्व सांसद सुशील रिंकू के बेहद करीबी माने जाते हैं, लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। वेस्ट हलके की बस्ती नंबर 9 के पास स्थित निजातम नगर में रहने वाले शिबू आए दिन इलाके की समस्याओं को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। चुनाव के दौरान भी उन्होंने अपने प्रचार में साफ तौर पर कहा था कि अगर जनता का समर्थन मिला तो उनकी पहली प्राथमिकता नशे पर रोक और चाइना डोर की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध होगी।

हालांकि चुनावी नतीजों में उन्हें जीत नहीं मिली, लेकिन एक वोट से हारने के बाद भी उन्होंने इसे अपनी व्यक्तिगत हार मानने से इनकार कर दिया है। शिव नाथ शिबू का कहना है कि ये लड़ाई किसी कुर्सी या पद की नहीं है, ये लड़ाई हमारे बच्चों के भविष्य की है। नशा और चाइना डोर ने जिस तरह से युवाओं और मासूमों की जान लेना शुरू कर दिया है, उसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

शिबू ने आरोप लगाया कि वेस्ट इलाके के कई हिस्सों में खुलेआम नशा बिक रहा है और प्रशासनिक कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आती है। इसके अलावा त्योहारों और खास मौकों पर चाइना डोर की अवैध बिक्री फिर से सिर उठा लेती है, जिससे हर साल कई लोग घायल होते हैं और कई परिवार उजड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को लेकर जल्द ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और समाजसेवी संगठनों से मुलाकात करेंगे और एक ठोस रणनीति के तहत आंदोलन की शुरुआत करेंगे।

शिव नाथ शिबू ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अकेले नहीं, बल्कि इलाके के जागरूक नागरिकों और युवाओं को साथ लेकर इस मुहिम को आगे बढ़ाएंगे। नुक्कड़ बैठकों, जागरूकता अभियानों और जरूरत पड़ने पर शांतिपूर्ण धरनों के जरिए वे प्रशासन पर दबाव बनाएंगे ताकि नशा तस्करों और चाइना डोर बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

इलाके के कई लोगों का कहना है कि भले ही शिबू चुनाव हार गए हों, लेकिन जिस तरह से वे लगातार जनहित के मुद्दों को उठाते रहे हैं, उससे यह साफ है कि वे एक जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभा रहे हैं। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि शिव नाथ शिबू की यह मुहिम वेस्ट इलाके में बदलाव की नई शुरुआत साबित होगी।

अंत में शिबू ने दो टूक शब्दों में कहा, मैं चुनाव हार सकता हूं, लेकिन अपने इलाके के लिए लड़ना नहीं हारूंगा। नशा और चाइना डोर बंद करवा कर ही दम लूंगा।

फ्लाईओवर पर टक्कर के बाद विवाद, एम्बुलेंस चालक ने मारपीट व जबरन ले जाने का लगाया आरोप

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर के पुलिस लाइन बस स्टैंड फ्लाईओवर के पास एम्बुलेंस और एक कार के बीच हुई टक्कर के बाद मामला उस समय तूल पकड़ गया, जब दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। हालांकि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन कार को हुए नुकसान को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला पुलिस तक पहुंच गया।

फगवाड़ा निवासी एम्बुलेंस चालक दीपक ने आरोप लगाया है कि वह शनिवार शाम करीब चार बजे एम्बुलेंस लेकर एक मरीज को पीजीआई ले जाने के लिए निकला था। जब वह पुलिस लाइन बस स्टैंड फ्लाईओवर के पास पहुंचा, तो सामने से आ रही एक कार को देखकर उसने एम्बुलेंस रोक ली। इसी दौरान पीछे से आ रही कार ने उसकी एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। दीपक का कहना है कि टक्कर के बाद कार सवार युवकों ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय उल्टा उसी पर आरोप लगाने शुरू कर दिए। जब उसने इसका विरोध किया, तो आरोप है कि युवकों ने उसे जबरन कार में बैठा लिया, जबकि उनमें से एक युवक एम्बुलेंस को मौके से लेकर चला गया। एम्बुलेंस चालक के अनुसार, कार सवार युवक उसे कपूरथला ले गए और गांव शेखूपुरा के पास उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि वहां उससे दस हजार रुपये की मांग भी की गई। दीपक ने बताया कि उसने किसी तरह अपने साथ काम करने वाले साथियों से फोन पर बात करवाई, जिसके बाद उन्होंने 112 और बस स्टैंड चौकी पुलिस को मामले की सूचना दी।

शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा जब संपर्क किया गया, तो कार सवार युवकों ने उसे छोड़ दिया। इसके बाद दीपक ने बस स्टैंड चौकी पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वहीं, बस स्टैंड चौकी के इंचार्ज मोहिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस को जो शिकायत मिली है, उसके अनुसार हादसे के बाद दोनों पक्ष आपसी बातचीत के लिए कपूरथला गए थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल अपहरण जैसी कोई बात सामने नहीं आई है, लेकिन मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है और जांच के आधार पर बनती कार्रवाई की जाएगी।

भर्गो कैंप में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गश्त के दौरान युवक से 6.85 ग्राम हेरोइन बरामद

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर के भर्गो कैंप थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत एक और सफलता हासिल की है। गश्त के दौरान पुलिस ने एक युवक को काबू कर उसके पास से हेरोइन बरामद की है। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

थाना भर्गो कैंप के प्रभारी इंस्पेक्टर मोहन लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि एएसआई लखबीर सिंह पुलिस पार्टी के साथ इलाके में नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि नाखां वाला बाग के नजदीक एक युवक हेरोइन की सप्लाई देने के इरादे से किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई।

पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए नाखां वाला बाग के पास दबिश दी। जैसे ही वहां खड़े युवक की नजर पुलिस पर पड़ी, वह मौके से भागने की कोशिश करने लगा। हालांकि, पहले से सतर्क पुलिस पार्टी ने उसे घेराबंदी कर तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम मनविंदर कुमार निवासी राजपूत नगर, जालंधर बताया।

पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर आरोपी की जेब से 6.85 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद युवक को हिरासत में लेकर थाना भर्गो कैंप लाया गया। इंस्पेक्टर मोहन लाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है कि वह नशा कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, इस कार्रवाई से इलाके के लोगों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की मुहिम की सराहना की है।

जालंधर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में ड्रोन और उड़ने वाली वस्तुओं पर पूर्ण प्रतिबंध

26 जनवरी को रहेगा नो-फ्लाइंग ज़ोन

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

जालंधर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र को नो-ड्रोन और नो-फ्लाइंग ज़ोन घोषित किया गया है। पुलिस कमिश्नर जालंधर धनप्रीत कौर ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि कमिश्नरेट के अधीन आने वाले पूरे इलाके में किसी भी प्रकार के ड्रोन या अन्य उड़ने वाली वस्तुओं को उड़ाने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। पुलिस कमिश्नर द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, यह प्रतिबंध सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है।

आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि बिना अनुमति किसी भी तरह का फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाना कानूनन अपराध माना जाएगा। हालांकि, इस प्रतिबंध से रक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत और अधिकृत उड़ानों को छूट दी गई है। इसके अलावा किसी भी निजी या व्यावसायिक उद्देश्य से ड्रोन, पैराग्लाइडर, कैमरा ड्रोन या अन्य उड़ने वाले उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।

यह आदेश 26 जनवरी 2026 को प्रभावी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग दें।

साथ ही पुलिस ने यह भी कहा है कि संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि इस फैसले से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी और किसी भी तरह की अनहोनी को रोका जा सकेगा।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

नशा तस्करों पर जालंधर पुलिस का करारा प्रहार, अलग-अलग इलाकों से पांच आरोपी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हेरोइन जब्त

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

पंजाब में नशे के खिलाफ मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान द्वारा शुरू की गई मुहिम को जमीनी स्तर पर मजबूती देते हुए जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ दिया है। इसी अभियान के तहत शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई से नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम ने एएसआई रुपिंदर सिंह के नेतृत्व में बबरीक चौक पर नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान पुलिस ने शक के आधार पर दो युवकों को रोका। तलाशी लेने पर आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह निवासी ईश्वर कॉलोनी और हरनूर सिंह उर्फ नूर निवासी काशी नगर, कोट सदीक के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 40 ग्राम हेरोइन बरामद की। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना नंबर पांच में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वहीं थाना बस्ती बाबा खेल की पुलिस ने लेदर कॉम्प्लेक्स इलाके में नाकाबंदी के दौरान विशाल सिंह निवासी सावन नगर को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

इसी तरह थाना नंबर सात की पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो और तस्करों को पकड़ा। सुभाना इलाके में नाकाबंदी के दौरान एएसआई सतिंदर कुमार ने अनिल कुमार निवासी अंबेडकर नगर को गिरफ्तार कर उससे 6.50 ग्राम हेरोइन बरामद की। वहीं लुहार नंगल क्षेत्र में गश्त कर रहे एएसआई सतपाल ने मनप्रीत सिंह निवासी अंबेडकर नगर को काबू कर उसके पास से 6 ग्राम हेरोइन जब्त की।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि नशे की सप्लाई चेन और इससे जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने साफ किया है कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी नशा तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा।

पैसे दोगुने करने का झांसा देकर 7 लाख रुपये की साइबर ठगी, अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

शहर में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को पैसे दोगुने करने का लालच देकर करीब 7 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। इस संबंध में साइबर क्राइम थाना जालंधर में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत में गुरमीत सिंह निवासी कालिया कॉलोनी ने बताया कि कुछ समय पहले एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे ऑनलाइन संपर्क किया और कम समय में पैसे दोगुने करने का भरोसा दिलाया। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसे अपने जाल में फंसा लिया और धीरे-धीरे विश्वास जीत लिया। इसके बाद आरोपी ने अलग-अलग बहानों से ऑनलाइन भुगतान करने को कहा।

शिकायत के अनुसार शुरुआत में छोटी रकम ट्रांसफर करवाई गई, जिससे पीड़ित को ज्यादा संदेह नहीं हुआ। बाद में आरोपी ने तकनीकी कारणों, खाता एक्टिवेशन चार्ज और अन्य शुल्क का हवाला देते हुए बड़ी रकम की मांग शुरू कर दी। आरोपी की बातों में आकर गुरमीत सिंह ने विभिन्न ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से आरोपी द्वारा बताए गए खातों में करीब 7 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

जब लंबे समय तक पैसे वापस नहीं मिले और आरोपी से संपर्क भी टूट गया, तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उसने साइबर क्राइम थाना में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच इंस्पेक्टर हरिंदर कुमार की अगुवाई में की जा रही है। पुलिस साइबर सेल द्वारा बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेन-देन की तकनीकी जांच कर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

चाइना डोर विवाद पर राजनीति गरमाई : वायरल वीडियो के बाद पूर्व विधायक के आरोप, सुभाष गोरिया ने सामने रखी पूरी सच्चाई

» वंदे भारत 24 न्यूज़ । जालंधर

25 जनवरी (वर्मा)

सुभाष गोरिया द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट पर कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत की पतंग उड़ाते हुए एक वीडियो साझा किए जाने के बाद यह मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। वीडियो वायरल होने के बाद जालंधर वेस्ट के पूर्व विधायक शीतल अंगूराल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव होकर पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान से सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ पंजाब सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित चाइना डोर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार का ही एक मंत्री चाइना डोर से पतंग उड़ाता नजर आ रहा है। पूर्व विधायक ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग भी की।

हालांकि देर शाम इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए सुभाष गोरिया स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव हुए। उन्होंने पूर्व विधायक शीतल अंगूराल द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत उनके दफ्तर आए हुए थे, जहां पहले से ही कुछ छोटे बच्चे पतंग उड़ा रहे थे। गोरिया ने स्पष्ट किया कि मंत्री मोहिंदर भगत ने बच्चों को चाइना डोर का इस्तेमाल न करने की सख्त हिदायत दी और उन परिवारों का जिक्र किया, जिन्होंने चाइना डोर की वजह से अपने प्रियजनों को खोया है।

सुभाष गोरिया ने यह भी साफ किया कि जिस डोर से मंत्री पतंग उड़ा रहे थे, वह चाइना डोर नहीं बल्कि इंडियन धागा था। उन्होंने पूर्व विधायक को बिना पूरी जानकारी के आरोप लगाने से बचने की सलाह दी। गोरिया ने कहा कि कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत स्वयं चाइना डोर के खिलाफ हैं और इस जानलेवा डोर के पूर्ण प्रतिबंध के पक्षधर हैं। उन्होंने अपील की कि इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय सभी को एकजुट होकर चाइना डोर के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को इस घातक डोर की कीमत अपनी जान देकर न चुकानी पड़े।

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

भारत के आजाद होने के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा ने अपना काम 9 दिसंबर 1946 से शुरू किया। दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान 2 साल, 11 माह, 18 दिन में तैयार हुआ।

प्रत्येक भारतवासियों के लिए 26 जनवरी महत्वपूर्ण दिन है। हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं। इसे गणतंत्र दिवस के तौर मनाया जाता है। यह भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है। यह दिन इस लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश आजाद होने के बाद इसी दिन भारत पूर्ण गणतंत्रिक देश बना। यानी देशवासियों के लिए एक संविधान लागू हुआ जिससे भारत में कानून का राज कायम हुआ, जनता को मौलिक अधिकार प्राप्त हुआ। इसलिए यह दिन हर देशवासियों के लिए खास है। इस दिन राष्टपति तिरंगा फहराते हैं और 21 तोपों की सलामी दी जाती है। सामूहिक रूप में खड़े होकर राष्टगान गाया जाता है।

इसलिए है खास 26 जनवरी

वर्ष 1929 के दिसंबर महीने में लाहौर में भारतीय राष्टीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। इसकी अध्यक्षता पंडित जवाहरलाल नेहरू कर रहे थे। इस अधिवेशन में प्रस्ताव पास हुआ कि अगर अंग्रेजी हुकूमत 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमिनियन का पद नहीं देता है तो भारत खुद को पूरी तरह से स्वतंत्र घोषित कर देगा। इसके बावजूद 26 जनवरी 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं दिया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आंदोलन शुरू किया। इस दिन जवाहर लाल नेहरु ने लाहौर में रवि नदी के किनारे तिरंगा फहराया। इसके बाद भारत ने 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया। उस दिन से 1947 में देश के आजाद होने तक 26 जनवरी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। इसके बाद देश आजाद हुआ और 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में स्वीकार किया गया। हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 तक तैयार हो गया था। तब जो नेता थे उन्होंने दो महीने और रुकने का निर्णय लिया। और फिर 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और इस दिन को तब से गणतंत्र दिवस के रुप में मनाया जाता है।

26 नवंबर संविधान दिवस

भारत के आजाद होने के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा ने अपना काम 9 दिसंबर 1946 से शुरू किया। दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान 2 साल, 11 माह, 18 दिन में तैयार हुआ। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान सौंपा गया, इसलिए 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में प्रति वर्ष मनाया जाता है। संविधान सभा ने संविधान निर्माण के समय कुल 114 दिन बैठक की। इसकी बैठकों में प्रेस और जनता को भाग लेने की आजादी थी। अनेक सुधारों और बदलावों के बाद सभा के 308 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को संविधान की दो हस्तलिखित कॉपियों पर हस्ताक्षर किए। इसके दो दिन बाद संविधान 26 जनवरी को यह देश भर में लागू हो गया। 26 जनवरी का महत्व बनाए रखने के लिए इसी दिन संविधान निर्मात्री सभा (कांस्टीट्यूएंट असेंबली) द्वारा स्वीकृत संविधान में भारत के गणतंत्र स्वरूप को मान्यता प्रदान की गई।

डॉ. भीमराव अंबेडकर थे प्रारूप समिति के अध्यक्ष

संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा चुने गए थे। डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। संविधान निर्माण में कुल 22 समितियां थीं जिसमें प्रारूप समिति (ड्राटिंग कमेटी) सबसे प्रमुख और महत्त्वपूर्ण समिति थी और इस समिति का कार्य संपूर्ण संविधान लिखना या निर्माण करना था। प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। अंबेडकर को संविधान का पिता भी कहते हैं।

संसद भवन के पुस्तकालय में है संविधान की हाथ से लिखी मूल प्रतियां : भारतीय संविधान की दो प्रतियां जो हिंदी और अंग्रेजी में हाथ से लिखी गई। भारतीय संविधान की हाथ से लिखी मूल प्रतियां संसद भवन के पुस्तकालय में सुरक्षित रखी हुई हैं। भारत के पहले राष्टपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने गवर्नमैंट हाऊस में 26 जनवरी 1950 को शपथ ली थी। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। 29 जनवरी को विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है जिसमें भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के बैंड हिस्सा लेते हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री अमर ज्योति पर शहीदों को श्रद्धाजंलि देते हैं जिन्होंने देश के आजादी में बलिदान दिया।

बरसापारा में बरसे अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव, भारत ने वनडे सीरीज में हार का बदला लिया

भारतीय गेंदबाजों ने गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में अनुशासित और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को पूरी तरह जकड़ लिया। करीब एक साल बाद टीम में लौटे रवि बिश्नोई की शानदार वापसी और जसप्रीत बुमराह व हार्दिक पांड्या की सधी हुई गेंदबाजी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में 9 विकेट पर सिर्फ 153 रन पर रोक दिया।

इसके बाद सर्यकमार यादव (57) और अभिषेक शर्मा (68) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने 10 ओवर में 2 विकेट खोकर ही इस टारगेट को चेज कर लिया और 8 विकेट से मुकाबले पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। टी20 इंटरनेशनल यह भारत की लगातार 9वीं सीरीज जीत है। इस जीत के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज में मिली हार का बदला भी ले लिया है।

संजू सैमसन गोल्डन डक पर आउट

154 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम की खराब शुरुआत हुई। फॉर्म की तलाश कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मैट हेनरी ने पहली ही गेंद पर बोल्ड किया। हालांकि, 3 नंबर पर आए ईशान किशन ने पिछले मैच की फॉर्म को ही जारी रखा। उन्होंने आते ही ताबड़तोड़ बाउंड्री लगाना शुरू किया और भारतीय टीम पर प्रेशर नहीं आने दिया। उन्हें देकर पिछले मैच में फेल हुए अभिषेक शर्मा ने भी हवाई फायर शुरू कर दिए।

ईशान ने बनाए 28 रन

ईशान और अभिषेक ने दूसरे विकेट के लिए 19 गेंदों पर 53 रन जोड़े। ईशान की पारी पर ईशा सोढ़ी ने ब्रेक लगाया। चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर ईशान की पारी ने मार्क चैपमैन की गोद में दम तोड़ा। ईशान ने 215.38 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 13 गेंदों पर 28 रन जड़ दिए। अपनी इस पारी में भारतीय बैटर ने 3 चौके और 2 छक्के लगाए।

14 गेंदों पर अभिषेक का अर्धशतक

ईशान के जाने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव मैदान पर आए। उन्होंने भी पिछले मैच में मिली लय को बरकरार रखा। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 94 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उनके पहले युवराज सिंह ने इस प्रारूप में 12 गेंदों पर फिफ्टी लगाई थी।

फिफ्टी लगाने के बाद अभिषेक और खतरनाक हो गए। उनके सामने कीवी गेंदबाज बेबस नजर आए। धीरे-धीरे सूर्यकुमार यादव भी अपने खाते में कुछ रन जोड़ते रहे। इस बीच उन्होंने कुछ अच्छे शॉट भी लगाए और 25 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। अभिषेक शर्मा ने 340 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 20 गेंदों पर 68* रन जड़ दिए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाए। सूर्यकुमार यादव 26 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय कप्तान ने जीता टॉस

इससे पहले टॉस जीतकर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और भारतीय गेंदबाजों ने इस निर्णय को पूरी तरह सही साबित किया। पावरप्ले के भीतर ही न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई, जब भारत ने शुरुआती छह ओवरों में तीन विकेट झटक कर मेहमान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। हार्दिक ने पहले ही ओवर में बेहतरीन फील्डिंग का नमूना पेश करते हुए पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच लपककर डेवोन कान्वे को सिर्फ एक रन पर पवेलियन भेजा। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की शुरुआत को झटका दिया। हार्दिक ने इसके बाद अपने अगले ओवर में रचिन रवींद्र को भी सस्ते में आउट कर दिया। शॉर्ट गेंद पर रचिन का शाट पूरी तरह टाइम नहीं हो पाया और डीप स्क्वेयर लेग पर तैनात रवि बिश्नोई ने आसान कैच पकड़ लिया।

बुमराह आते ही असरदार हुए

दूसरे छोर से जसप्रीत बुमराह ने भी आते ही अपना असर दिखाया। रायपुर में खेले गए पिछले मुकाबले में आराम के बाद लौटे बुमराह ने अपनी पहली ही स्पेल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बांध कर रखा। उन्होंने टिम साइफर्ट को अंदर आती फुल गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। बुमराह की सटीक लाइन और लेंथ के सामने कीवी बल्लेबाज सहज नजर नहीं आए और वह रन गति बढ़ाने में नाकाम रहे। मध्य ओवरों में रवि बिश्नोई ने मैच पर भारत की पकड़ और मजबूत कर दी। वरुण चक्रवर्ती की जगह टीम में शामिल किए गए बिश्नोई ने मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए बीच के ओवरों में लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने गेंद को दोनों तरफ घुमाया और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। बिश्नोई की गेंदबाजी में विविधता और नियंत्रण साफ दिखाई दिया।

फिलिप्स ने बनाए 48 रन

ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड की ओर से सबसे खतरनाक बल्लेबाज के रूप में उभरे और उन्होंने अर्धशतक की ओर कदम बढ़ाए, लेकिन बिश्नोई ने उन्हें 48 रन पर आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

मार्क चैपमैन ने जरूर 23 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेलते हुए कुछ देर के लिए पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने फिलिप्स के साथ 52 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया। हालांकि यह साझेदारी भी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। बिश्नोई की सटीक गेंद पर चैपमैन विकेट के पीछे संजू सैमसन को कैच दे बैठे।

कुलदीप को नहीं मिली सफलता

दूसरे छोर से कुलदीप यादव का दिन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। पहले ओवर में सिर्फ तीन रन देने के बाद उन्होंने दूसरे ओवर में जरूरत से ज्यादा प्रयोग किया और 19 रन लुटा बैठे। इस दौरान चैपमैन और फिलिप्स ने आक्रामक शॉट खेले, जिससे न्यूजीलैंड को थोड़ी राहत मिली। हालांकि यह राहत ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। आखिरी ओवरों में एक बार फिर बुमराह और हार्दिक ने कमान संभाली।

राजनीति की भेंट चढ़ा उपमहाद्वीप का क्रिकेट, टी-20 विश्व कप से बाहर होने पर बांग्लादेश को होगा बड़ा नुकसान

बांग्लादेश के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के कारण भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट एक बार फिर भू-राजनीति का शिकार हो गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और बांग्लादेशी खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट में भाग लेना चाहते थे, लेकिन सरकार से मंजूरी न मिलने के कारण उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने हटने की धमकी दी, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टीम की घोषणा कर यह स्पष्ट कर दिया कि वह टूर्नामेंट में भाग लेगा।

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि पाकिस्तान कीचड़ भरे पानी में मछली पकड़ने की कोशिश कर रहा था और दो बनाम एक (पाकिस्तान और बांग्लादेश बनाम भारत) का खेल खेलने की कोशिश कर रहा था।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान पहले से ही श्रीलंका में खेल रहा था, इसलिए इस मामले में दखल देने की कोई आवश्यकता नहीं थी। अंततः नुकसान बांग्लादेश क्रिकेट टीम और उसके खिलाड़ियों का ही हुआ है। विश्व कप में भाग न ले पाने वाले खिलाड़ियों का नुकसान बहुत बड़ा है।

बांग्लादेश को पहले तटस्थ माना जाता था, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। यह दर्शाता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट अब कूटनीतिक समीकरणों से कितनी गहराई से जुड़ा हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका से पलायन के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाओं में वृद्धि हुई है और कई बांग्लादेशी हिंदुओं की हत्याएं भी हुई हैं। क्रिकेट के लिए तनाव के संकेत तब सामने आए जब बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया गया।

बीसीबी ने इसे अपनी प्रतिष्ठा की लड़ाई बना दिया और रहमान को लीग से बाहर करने के कारण को समझ नहीं पाया। उसने भारत में सुरक्षा का हवाला देकर विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया। हरभजन ने कहा कि यह बीसीबी के लिए अहं का मामला बन गया, जिसने समाधान खोजने के बजाय आक्रामक रणनीति अपनाई।

हरभजन ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की टीम के पास भारतीय पिचों पर अच्छा प्रदर्शन करने का बेहतर मौका था। यदि टी-20 विश्व कप इंग्लैंड या आस्ट्रेलिया में होता, तो उनकी जीत की संभावना कम होती। लेकिन यहां वे दूसरे दौर तक पहुंच सकते थे। इसलिए इस स्थिति में नुकसान केवल बांग्लादेश का है।

भारत और पाकिस्तान अभी आईसीसी के किसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर एक-दूसरे के देश में खेलने के बजाय तटस्थ स्थान पर खेलते हैं। यह व्यवस्था इसलिए है क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को राजनीति ने प्रभावित किया है।

हालांकि इसमें खामियां हैं, फिर भी यह प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता को बनाए रखती है। इसके विपरीत, बांग्लादेश के मामले में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे उसे विश्व कप से बाहर होने का बड़ा नुकसान हुआ है। इसके परिणामस्वरूप उसके खिलाड़ियों को खेलने का मौका गंवाना पड़ा है और राजस्व का भी नुकसान हुआ है, जो उनकी लोकप्रियता पर असर डालेगा।

जिम में वर्कआउट करने के बाद बॉडी में तेज दर्द और अकड़न से रहते हैं परेशान?

जानें क्यों होता है ऐसा और कैसे पाएं इस दर्द से छुटकारा

खुद को फिट रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज बेहद जरूरी है। इसके लिए भी अधिकतर लोग जिम को चुनते हैं। हालांकि, जिम में वर्कआउट के बाद बॉडी में तेज दर्द और अकड़न अक्सर परेशानी का सबब बन जाता है। इतना ही नहीं, कई बार दर्द इतना अधिक बढ़ जाता है कि व्यक्ति फिर अगले 2 से 3 दिन ठीक ढंग से वर्कआउट नहीं कर पाता है।

अगर आप भी इस तरह की परेशानी का सामना करते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। यहां हम आपको पोस्ट वर्कआउट पेन को कम करने के लिए कुछ बेहद आसान तरीके बता रहे हैं, जो दर्द से राहत दिलाकर आपकी फिटनेस जर्नी को अधिक आसान बनाने में मददगार हो सकते हैं। इससे पहले जान लेते हैं कि आखिर वर्कआउट के बाद दर्द क्यों होता है–

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स?

मामले को लेकर इंडियन एक्सप्रेस संग हुई एक खास बातचीत के दौरान उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट आर्थोपेडिक और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ इंद्रनील हल्दे ने कहा, 'किसी भी तरह की कसरत के बाद मांसपेशियों में दर्द, अकड़न या सूजन एक सामान्य प्रतिक्रिया है। आप चाहे लंबे समय से वर्कआउट करते आ रहे हों या फिर हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए हाल फिलहाल में ही आपने वर्कआउट करना शुरू किया हो, इस तरह की परेशानी से हर किसी को गुजरना पड़ सकता है। खासकर हाई–इंटेंसिटी वर्कआउट करने पर आपको दर्द अधिक महसूस हो सकता है।

कैसे पाएं दर्द से राहत?

सबसे पहले एक साथ अधिक व्यायाम करने से बचें। अगर आपने हाल फिलहाल में ही वर्कआउट करना शुरू किया है, तो एकदम से बहुत अधिक एक्सरसाइज न करें। इससे पहले अपने शरीर की कैपेसिटी को समझें, धीरे-धीरे शुरुआत करें और समय के साथ शारीरिक गतिविधि को अधिक बढ़ाएं। इससे आपको मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। एक्सरसाइज से पहले वार्म-अप जरूर करें। वार्म-अप करने से आपकी बॉडी खुलती है और मसल्स भी आगे की गतिविधि के लिए तैयार हो जाती हैं। एक्सरसाइज के बाद स्ट्रेचिंग जरूर करें। दरअसल, जब मांसपेशियां रिकवरी मोड में रहती हैं तो इनमें कसाव आ जाता है, जिससे दर्द महसूस होने लगता है। इसके लिए धीरे-धीरे स्ट्रेचिंग करें। इससे कसाव के साथ दर्द भी कम होगा, साथ ही स्ट्रेचिंग लैक्टिक एसिड के निर्माण को कम करने में भी मददगार होती है। अगर दर्द का एहसास अधिक है तो आप हल्के हाथों से शरीर की मसाज कर सकते हैं। दर्द वाली मांसपेशियों में मसाज करने से कसाव कम होता है, साथ ब्लड फ्लो बढ़ जाता है। इससे रिकवरी तेज होती है और मांसपेशियों का दर्द जल्दी खत्म होता है। गर्म पानी से नहाएं, इससे टाइट मांसपेशियां ढीली पड़ती हैं और खून के दौरे में तेजी आती है। ऐसे में मांसपेशियों में अधिक ऑक्सीजन और रक्त पहुंचता है और आपको दर्द से राहत मिल जाती है। इन सब से अलग रेस्ट भी जरूरी है। हफ्ते में 5 दिन वर्कआउट करने के बाद दो दिन बॉडी को रेस्ट जरूर दें। इसके लिए आप एक दिन जिम से छुट्टी ले सकते हैं और एक दिन केवल हल्की एक्सरसाइज को चुन सकते हैं। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर अपनी फिटनेस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

क्यों होता है ऐसा?

डॉ हल्दे के मुताबिक, एक्सरसइज खासकर हाई–इंटेंसिटी वर्कआउट करने के दौरान आपकी मसल्स में अधिक तनाव और मांसपेशियों के फाइबर में माइक्रो टिअर के कारण दर्द का एहसास बढ़ जाता है। इससे अलग हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करने पर लैक्टिक एसिड का उत्पादन मांसपेशियों की थकान और अकड़न का कारण बन सकता है।

हालांकि, समय के साथ शरीर इसका आदी हो जाता है और एक समय बाद आपको दर्द का उतना एहसास नहीं होता है।

बिना चोट लगे क्यों पड़ जाते हैं शरीर पर नीले निशान? एक्सपर्ट से जानें इसके पीछे की असली वजह

क्या आपके साथ भी कभी ऐसा हुआ है कि अचानक आपके हाथ या पैर पर कोई नीला निशान उभर आया हो, जबकि आपको याद ही न हो कि आप किसी चीज से टकराए थे? अक्सर लोग इसे अपनी भूलक्कड़पन मानकर नजरअंदाज कर देते हैं।

लेकिन, लॉस एंजिल्स की फुट सर्जन डॉ. डाना फिगुरा का कहना है कि इन निशानों के पीछे कुछ मेडिकल कारण हो सकते हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। आइए जानें इनके बारे में।

क्या है पर्पुरा सिम्पलेक्स?

बिना किसी बड़ी चोट के शरीर पर बार–बार नील पड़ना एक सामान्य मेडिकल कंडीशन हो सकती है, जिसे पर्पुरा सिम्पलेक्स कहा जाता है। यह एक वैस्कुलर ब्लीडिंग डिसऑर्डर है, जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कहीं ज्यादा देखा जाता है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में यह हानिकारक नहीं होता, लेकिन बार–बार बिना वजह नील पड़ना इस ओर इशारा करता है कि आपकी त्वचा के नीचे की ब्लड वेसल्स नाजुक हैं।

क्यों फट जाती हैं ब्लड वेसल्स?

हमारी त्वचा के ठीक नीचे बहुत छोटी–छोटी नसें होती हैं जिन्हें कैपिलरीज कहा जाता है। ये कैपिलरीज बहुत नाजुक होती हैं। ये मामूली दबाव या छोटे–मोटे झटके से भी फट जाती हैं, जिन्हें हम याद भी नहीं रख पाते।

इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं–

- हार्मोन में बदलाव– शरीर में होने वाले हार्मोनल उतार–चढ़ाव के कारण ब्लड कैपिलरीज प्रभावित होती हैं।
- त्वचा की संरचना– त्वचा की बनावट और मोटाई।
- कोलेजन का अंतर– शरीर में मौजूद कोलेजन, जो ब्लड वेसल्स को सपोर्ट देता है, उसकी कमी या बनावट में अंतर होने से कैपिलरीज आसानी से टूट जाती हैं।

कब बन जाती है चिंता की बात?

हालांकि, ये नीले निशान अक्सर सामान्य होते हैं, लेकिन फुट सर्जन डॉ. फिगुरा बताती हैं कि इन्हें हमेशा मामूली मानकर नहीं टालना चाहिए। कभी–कभी ये शरीर में किसी गंभीर कमी का संकेत हो सकता है, जैसे– विटामिन की कमी और एनीमिया या आयरन की कमी।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

- अगर आपको नीले निशानों के साथ–साथ नीचे दिए गए लक्षण भी महसूस हो रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए–
- बहुत ज्यादा थकान महसूस होना।
- मसूड़ों से खून आना या नाक से खून बहना।
- पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होना।